कुल पृष्ठ संख्या–32 (कवर पेज सहित)

क्रम संख्या.... 1998256

माध्यमिक शिक्षा बोर्ड, राजस्थान, अजमेर

उच्च माध्यमिक परीक्षा

(परीक्षार्थी द्वारा स्वयं भरा जाना चाहिये)

Candidate's Roll No. In English

(In Figures)

(In Words) ....

....

परीक्षार्थी का नामांक हिन्दी में

शब्दों में ....

....

नोट :– परीक्षार्थी उपरोक्त के अतिरिक्त उत्तर पुस्तिका के अन्य किसी भी भाग में अपना नामांक नहीं लिखें।

माध्यम – हिन्दी ✓ अंग्रेजी

विषय POLITICAL SCIENCE

परीक्षा का दिन MONDAY

दिनांक 6-3-2017

नोट :– परीक्षार्थी के लिए आवश्यक निर्देश इस पृष्ठ के पिछले भाग पर उल्लेखित हैं। जिन्हें सावधानी पूर्वक पढ़ लें व पालना अवश्य करें।

परीक्षक हेतु निर्देश :– (1) परीक्षक को उपरोक्त सारणी अनुसार प्राप्तांक भरना अनिवार्य हैं, अन्यथा नियमानुसार दंडित किया जायेगा।

(2) परीक्षक उत्तर पुस्तिका के अन्दर के पृष्ठों के बायीं ओर निर्धारित कॉलम में लाल इंक से अंक प्रदत करें।

(3) कुल योग भिन्न में प्राप्त होने पर उसे पूर्णांक में ही परिवर्तित कर अंकित करें (उदारणार्थ : 15 ¼ को 16, 17 ½ को 18, 19 ¾ को 20)

प्रश्नवार प्राप्तांको की सारणी
(परीक्षक के उपयोग हेतु)

प्रश्नों की क्रम संख्या	प्राप्तांक	प्रश्नों की क्रम संख्या	प्राप्तांक
1		19	
2		20	
3		21	
4		22	
5		23	
6		24	
7		25	
8		26	
9		27	
10		28	
11		29	
12		30	
13		31	
14		योग	
15		प्राप्त अंको का कुल योग (Roundoff)	
16		अंकों में	शब्दों में
17			
18			

परीक्षक के हस्ताक्षर .... संकेतांक

प्रमाणित किया जाता है कि इस उत्तर पुस्तिका के निर्माण में 58 जी.एस.एम. क्रीमवाव कागज ही उपयोग में लिया गया है। 161/2017

परीक्षार्थियों के लिए आवश्यक निर्देश

1. समस्त प्रश्नों का हल निर्धारित शब्द सीमा में इसी उत्तर पुस्तिका में करना है। विशेष परिस्थिति में अतिरिक्त उत्तर पुस्तिका पृथक से उत्तर पुस्तिका भरी हुई होने पर परीक्षक एवं वीक्षक की अनुशषां पर ही उपलब्ध कराई जायेगी।
2. प्रश्न–पत्र पर निर्धारित स्थान पर अपना नामांक लिखें।
3. प्रश्न–पत्र हल करने के पश्चात् जिस पृष्ठ पर हल समाप्त होता है, उस पर अन्त में "समाप्त" लिखकर अन्त के सभी रिक्त पृष्ठों को तिरछी लाईन से काटें।
4. निम्न बातों का विशेष ध्यान रखें अन्यथा अनुचित साधनों की रोकथाम अधिनियम के तहत कार्यवाही की जा सकेगी।
   (i) उत्तर पुस्तिका के ऊपर/अन्दर तथा प्रश्नोत्तर के किसी भी भाग में चाही गई सूचना के अलावा अपना नामांक, नाम, पता, फोन नम्बर अथवा पहचान की कोई अन्य प्रकार की सूचना आदि अंकित नहीं करें अन्यथा "अनुचित साधनों के प्रयोग" के अन्तर्गत कार्यवाही की जावेगी।
   (ii) उत्तर पुस्तिका के पृष्ठों को फाड़ें नहीं। उत्तर–पुस्तिका के मुख पृष्ठ पर अंकित संख्या के अनुसार पृष्ठ पूरे होने चाहिये।
   (iii) परीक्षा केन्द्रों पर पुस्तक, लेख, कागज, केलक्यूलेटर, मोबाईल, पेजर आदि किसी भी प्रकार का इलेक्ट्रोनिक उपकरण तथा किसी भी प्रकार का हथियार आदि ले जाना निषेध हैं।
   (iv) वस्त्र, स्केल, ज्योमेट्री बॉक्स पर कुछ न लिखकर लावें। टेबुल के आस–पास कोई अवैध सामग्री नहीं होनी चाहिये, इसकी जांच कर लें।
   (v) अपनी उत्तर पुस्तिका/ग्राफ/मानचित्र आदि परीक्षा भवन से बाहर ले जाना दण्डनीय अपराध है, अतः परीक्षा समाप्ति पर उत्तर पुस्तिका वीक्षक को बिना सौंपे परीक्षा कक्ष नहीं छोड़ें।
5. उत्तरों को क्रमानुसार एक ही स्थान पर लिखें। प्रश्न क्रमांक भी सही अंकित करें, अन्यथा दण्ड स्वरूप परीक्षक को 1 अंक कम करने का अधिकार है। बीच में उत्तर पुस्तिका के पृष्ठ रिक्त न छोड़ें। गणित विषय के लिए रफ कार्य उत्तर पुस्तिका के अंतिम पृष्ठों पर करें तथा तिरछी रेखा से काटें।
6. जहाँ तक हो सके प्रश्न के सभी भाग के उत्तर, उत्तर पुस्तिका में एक ही स्थान पर अंकित करें।
7. भाषा विषयों को छोड़कर शेष सभी विषयों के प्रश्न–पत्र हिन्दी–अंग्रेजी दोनों भाषा में मुद्रित हैं। किसी भी प्रकार की त्रुटि/अन्तर/विरोधाभास होने पर हिन्दी भाषा के प्रश्न को ही सही माना जाये।

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

प्र०1
उत्तर- उत्तर आटलांटिक संधि संगठन अप्रैल 1949 में हुआ।

प्र.2
उत्तर- ऑपरेशन इन्डुरिंग फ्रीडम अभियान।

प्र०3
उत्तर- बांग्लादेश का निर्माण 1971 में हुआ।

प्र.4
उत्तर- आतंकवाद →
आतंकवाद से अभिप्राय राजनैतिक खूनखराबे से है जो बिना किसी कारण लोगों को अपना शिकार बनाता है। यह लोगों को प्रभावित कर सरकार पर दबाब डालता है ताकि अपनी माँग पूरी हो जाए।

प्र०5
उत्तर- भारत ने क्योटो प्रोटोकॉल पर हस्ताक्षर 2002 में किए।

प्र०6
उत्तर- राज्य पुनर्गठन आयोग की स्थापना 1953 में हुई।

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

प्र०7

उत्तर- भारत के संविधान का निर्माण 26 नंवम्बर 1949 में हुआ।

प्र०8

उत्तर- 20 वर्षीय संधि भारत ने सोवियत संघ (रूस) के साथ हस्ताक्षर किए है

प्र०9

उत्तर- 25 जून 1975 को दिल्ली के रामलीला मैदान में राष्ट्रव्यापी सत्याग्रह की घोषणा जयप्रकाश नारायण ने की।

खण्ड(ब)

प्र०(10)

उत्तर- गोर्बाचेव द्वारा सोवियत संघ में सुधार के दो कारण निम्न है -

(i) सोवियत संघ की आर्थिक व राजनीति व्यवस्था में अड़कनी ~~कमो~~ कमजोरी के कारण सोवियत संघ की आर्थिक व राजनीतिक व्यवस्था अड़कनी रूप से कमजोर हो गयी। इस कारण जनता का एक बड़ा भाग अपनी सरकार को सक की नजर से देखने लगे। इसको सुधारने के लिए गोर्बाचेव ने सुधार किये।

BSER-161/2017

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

में (ii) सोवियत संघ के देशों को पश्चिमी राष्ट्रों के बराबर लाने के लिए → सोवियत संघ पश्चिमी राष्ट्रों की तुलना में पिछड़ चुका था। इसलिए मिखाइल गोर्बाचेव ने सुधार किये।

प्र0 11

उत्तर- चीन अर्थव्यवस्था के उत्थान के दो कारण निम्न हैं —

(i) 1978 में चीन ने खुले द्वार की नीति अपनायी और अपने विकास को तीव्र किया।

(ii) खेती का निजीकरण (1982) तथा उद्योगों का निजीकरण (1998) में किया, इससे चीन में विदेशी निवेश बढ़ा और अर्थव्यवस्था का उत्थान हुआ।

प्र0 12

उत्तर- आसियान की स्थापना 8 अगस्त 1967 में हुई। यह एक महत्वपूर्ण क्षेत्रीय संगठन है, इसके पक्ष में दो तर्क निम्न हैं —

(i) आसियान किसी भी विवाद में सैन्य शक्ति का प्रयोग न करके उसको बातचीत के माध्यम से सुलझाता है जैसे- पूर्वी तिमोर व इंडोनेशिया विवाद को सुलझाया।

(ii) आसियान की असली ताकत उसके सदस्य देश, सहभागित और गैर संगठनों के साथ निरंतर संवाद करने में है।

यह ऐसा संगठन है जो विश्व के आर्थिक व सैन्य मुद्दों के लिए मंच उपलब्ध करवाता है।

BSER-161/2017

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

प्र०13

उत्तर- शक्ति संतुलन बनाए रखने के दो उपाय निम्न हैं→

(i) गठबंधन के माध्यम से →

गठबंधन में अनेक देश शामिल होते है, उसका उद्देश्य अन्य देश या गठबंधन से ज्यादा अपनी ताकत करना है उस प्रकार की होड़ के कारण शक्ति संतुलन बनता हैं।

(ii) फूट डालों राज करो नीति या मुआवजा देकर →

फूट डालो राज करों नीति के माध्यम से शक्ति संतुलन बनाया जा सकता है, तथा मुआवजा देकर भी शक्ति संतुलन बनाते है।

BSER-161/2017

प्र०14

उत्तर- रियो सम्मेलन (1992) में हुआ। उसके दो परिणाम→

(i) उसमें टिकाऊ विकास पर जोर दिया गया अर्थात ऐसा विकास जिससे पर्यावरण को किसी प्रकार की हानि न हो।

(ii) उस सम्मेलन से पर्यावरण में जलवायु परिवर्तन, जैव विविधता, वानिकी के सम्बंध में नियम बनाये गये। तथा एजेंडा 21 के अनुसार विकास पर जोर दिया।

P.T.O

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

प्र015 भारतीय जनसंघ की विचार धारा →

भारतीय जनसंघ पार्टी के संस्थापक श्यामा प्रसाद मुखर्जी है।
इसकी विचारधारा है कि (i) हिन्दी को राष्ट्र भाषा माना जाए (ii) यह भारत व पाकिस्तान को मिलाकर एक अखंड भारत के रुप में देखना चाहती है। यह पार्टी परमाणु परीक्षण का समर्थक है।

प्र016
उत्तर- (i) भारत-चीन युद्ध ⟶ 1962
(ii) ताशकंद समझौता ⟶ 1966
(iii) शिमला समझौता ⟶ 1972
(iv) पंचशील समझौता ⟶ 1954

प्र017
उत्तर स्वतंत्र राष्ट्र बांग्लादेश के उदय के निम्न कारण है ⟶
(i) बांग्लादेश की जनता पर पश्चिमी पाकिस्तान उर्दू भाषा लादने के लिए बाध्य कर रहा था जबकि बांग्लादेश अपनी बंगाली भाषा को बनाए रखना चाहता था।
(ii) 1970 के चुनाव में शेख मुजीबरमान की अवामी पार्टी की विजय हुई लेकिन पाकिस्तान ने उस नेता को गिरफ्तार कर लिया।
इस प्रकार लाखो लोग भारत में आ गये और इस कारण 1971 में भारत-पाक युद्ध हुआ और बांग्लादेश एक स्वतंत्र राष्ट्र बना।

BSER-161/2017

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

खण्ड स

प्र.18

उत्तर 1971 में कांग्रेस की पुनर्स्थापना के निम्नलिख कारण हैं→

(i) इंदिरा गाँधी एक करिश्मावादी नेता→

इंदरा गाँधी 1971 में एक चमत्कारिक नेतृत्व के साथ उभरी तथा अपने नेताओं पर पूर्ण नियंत्रण रखा। इस कारण वह प्रभावी ढंग से कार्य कर सकी।

(ii) गरीबी हटाओं का नारा→

इंदिरा गाँधी ने गरीबी हटाओं का नारा दिया जबकि कांग्रेस के विपक्ष की पार्टी ने इंदिरा हटाओं का नारा दिया। लोगों को गरीबी हटाओं का नारा बहुत पसंद आया। इस नारे के कारण 1971 में कांग्रेस की पुनर्स्थापना हुआ।

(iii) समाज के हित कार्य के लिए घोषणाएँ→

इंदिरा गाँधी ने अनेक प्रकार की घोषणाएँ की, जो जनता के कल्याण में सहायक थी — बैंकों का राष्ट्रीयकरण, प्रीवी पर्स की समाप्ति की घोषणा कर दी। इस कारण भी 1971 में इंदिरा गाँधी 1971 में विजयी बनी।

(iv) अपने पक्ष में वोटों का ध्रुवीकरण→

कांग्रेस पार्टी के पक्ष में वोटो का ध्रुवीकरण हुआ। इस ध्रुवीकरण के कारण कांग्रेस की जीत हुई।

(v) भूमि सुधार कार्यक्रम→

इंदिरा गाँधी ने भूमि सुधार कार्यक्रमों पर भी जोर दिया। इस कारण कांग्रेस की

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

प्र०१७

उत्तर- 1977 में केन्द्र में जनता पार्टी की सरकार बनी, इसके निम्न कारण →

(i) आपातकाल में ज्यादतियाँ →

आपातकाल के दौरान अनेक प्रकार से लोगों को कठिनाइयों का सामना करना पड़ा। निवारक नजबंद कानून का दुरुपयोग किया गया तथा अनेक लोगों को बिना किसी कारण जेल में डाल दिया गया।

आपातकाल के दौरान जबर नसबंदी की गयी। इस प्रकार जनता को अनेक समस्याओं का सामना करना पड़ा और कांग्रेस की हार हुई।

(ii) विपक्षी दलों का एकत्रित होना →

कांग्रेस के विरोधी अनेक पार्टी मिल गयी। हालांकि चुनाव प्रसार का बहुत कम समय मिला, लेकिन आपातकाल के दौरान नेताओं (676) को जेल भेजा और उनके मध्य सम्बंध बढे।

(iii) जगजीवनराम का त्याग पत्र →

कांग्रेस का एक प्रतिष्ठ नेता ने कांग्रेस पार्टी से त्याग पत्र दे दिया, इस कारण लोगों को लगा की कांग्रेस में कुछ गड़बडी है इस कारण उन्होंने विपक्षी पार्टियों का समर्थन किया।

(iv) विपक्षी पार्टियों का प्रचार-प्रसार →

विपक्षी पार्टियों ने प्रभावी ढंग से प्रचार प्रसार किया और "लोकतंत्र बचाओ" का नारा दिया। इस कारण भी केन्द्र में विपक्षी पार्टी बनी। →

P.T.O

BSER-161/2017

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

प्र०20

उत्तर → सोवियत संघ के विघटन के चार कारण निम्नलिखित है →

(i) सोवियत संघ के आर्थिक व राजनीति शासन में अदरुनी कमजोरी. सोवियत संघ की आर्थिक व राजनीति शासन अंदरुनी रूप से कमजोर हो गया और अर्थव्यवस्था गतिरुद्ध रही इस कारण खाद्यान्न वस्तुओं में कमी आयी और अपने देश की जनता अपनी शासन की व्यवस्था को शक की नजर से देखने लगी, जो विभाजन कारण रहीं।

(ii) परमाणु हथियारों व पिछलग्गु देशों पर खर्च → सोवियत संघ ने अपने संसाधनों का अधिक भाग परमाणु हथियारों व पिछलग्गु देशों पर खर्च किया। इस कारण उसे भारी कीमत चुकानी पड़ी और उसका असर का सामना सोवियत संघ नहीं कर सका।

(iii) मिखाइल गोर्बाचेव की नीति → मिखाइल गोर्बाचेव ने सुधार करने तथा अपने देश को पश्चिमी देशों के बराबर लाने के लिए खुलेपन की छूट दी। इस छूट के कारण अनेक देशों को स्वतंत्रता मिल गयी। इस कारण देश खिसकते ही चले गये, इससे सोवियत संघ का विघटन हुआ।

(iv) पूर्वी देशों को पश्चिमी देशों के विकास के बारे में पता चल सोवियत संघ के देशों को यह बताया जा रहा था कि पूर्वी देश पश्चिमी देशों की तुलना में बहुत आगे

परीक्षक द्वारा प्रदत्त | प्रश्न | परीक्षार्थी उत्तर

सोवियत संघ के देशों की जानकारी बढ़ी और अब वे पश्चिमी देशों के विकास को भाप सकते थे इस कारण सोवियत संघ की जनता को धक्का लगा और सोवियत संघ का विघटन हुआ।

प्र०2)

उत्तर→ "आज कोई देश भी अमेरीकी सैन्य शक्ति की पास तुलना में बराबर भी नहीं कर सकता" इसके पक्ष में चार तर्क निम्न है→

(i) अमेरिका की शक्ति बेजोड़ व अनूठी→
अमेरिका की सैन्य शक्ति आज बेजोड़ व अपने आप में अनूठी है। इसकी कीड़ी अमेरिका की रीढ़ अमेरिका की बड़ी सैन्य ताकत है। इस सैन्य बल के दम पर वह कहीं भी अचूक निशाना साध सकता है।

(ii) अपने घर में दुश्मन को पंगु बनने की क्षमता→
अमेरिका के पास इतने सैन्य साधन है कि वह अपनी सैना को उचित दूर पर रख कर दुश्मन को घर में अर्थात कहीं भी पंगु अर्थात खत्म कर सकता है।

(iii) सैन्य व्यय→
अमेरिका का सैन्य वह लगभग 4,55 करोड़ है जबकि उससे नीचे बारह देशों सैन्य 449 करोड़ करते है
अर्थात अमेरिका का सैन्य व्यय बहुत है

P.T.O

BSER-161/2017

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

(iv) प्रौद्योगिकी बढ़त → अमेरिका के पास अनेक प्रकार की सैन्य प्रौद्योगिकी है इस प्रकार की प्रौद्योगिकी में अमेरिका अन्य राष्ट्रों से बहुत आगे है।

इस प्रकार हम कह सकते है, की अमेरिका की सैन्य शक्ति बहुत मजबूत है।

[redacted]

अमेरिका सैन्य वर्चस्व

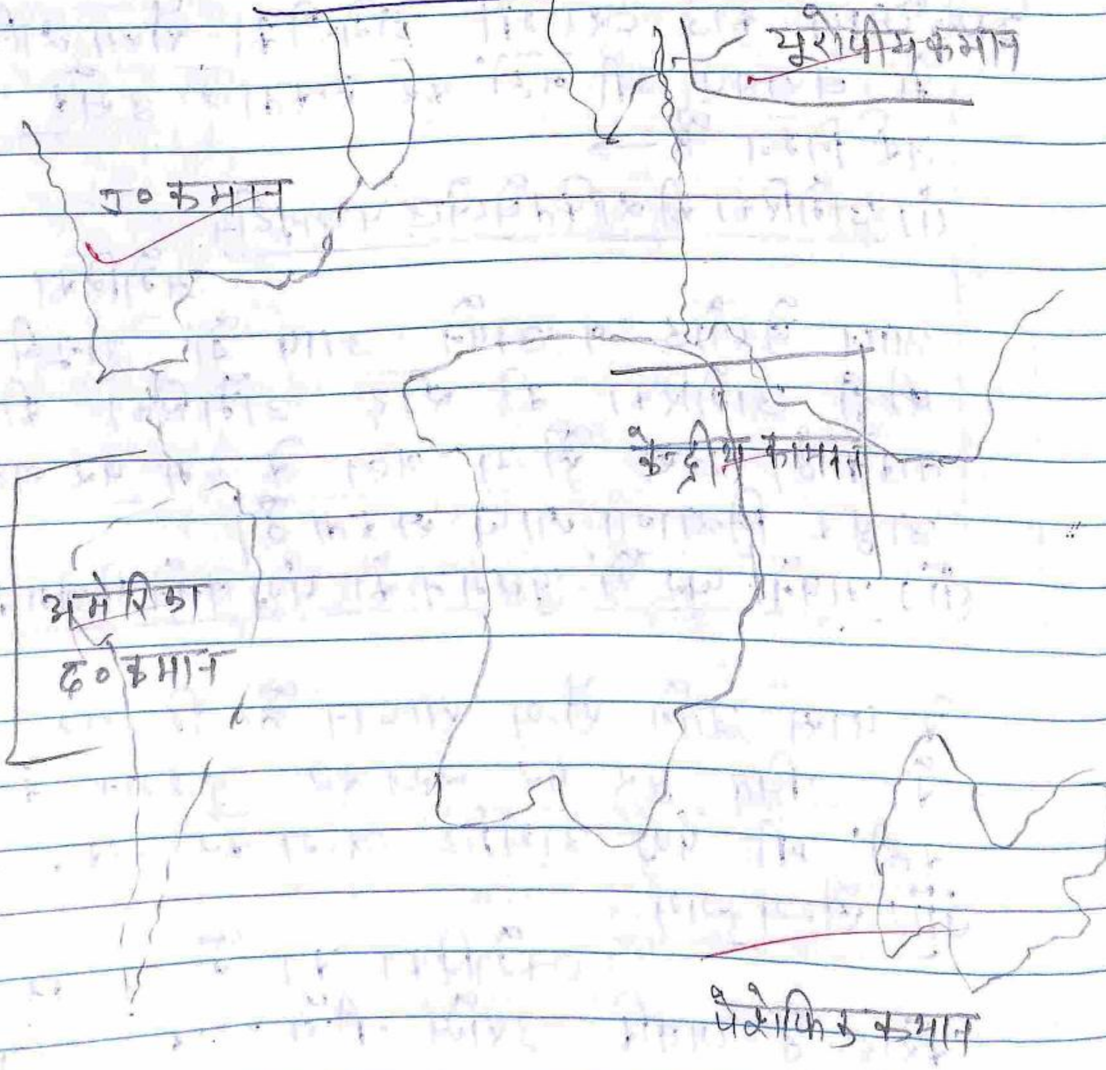

BSER-161/2017

.: 131877

नामांक Roll No.

SS–11–Pol. Sc.

उच्च माध्यमिक परीक्षा, 2017

SENIOR SECONDARY EXAMINATION, 2017

Subject : राजनीति विज्ञान

POLITICAL SCIENCE

उ० 25

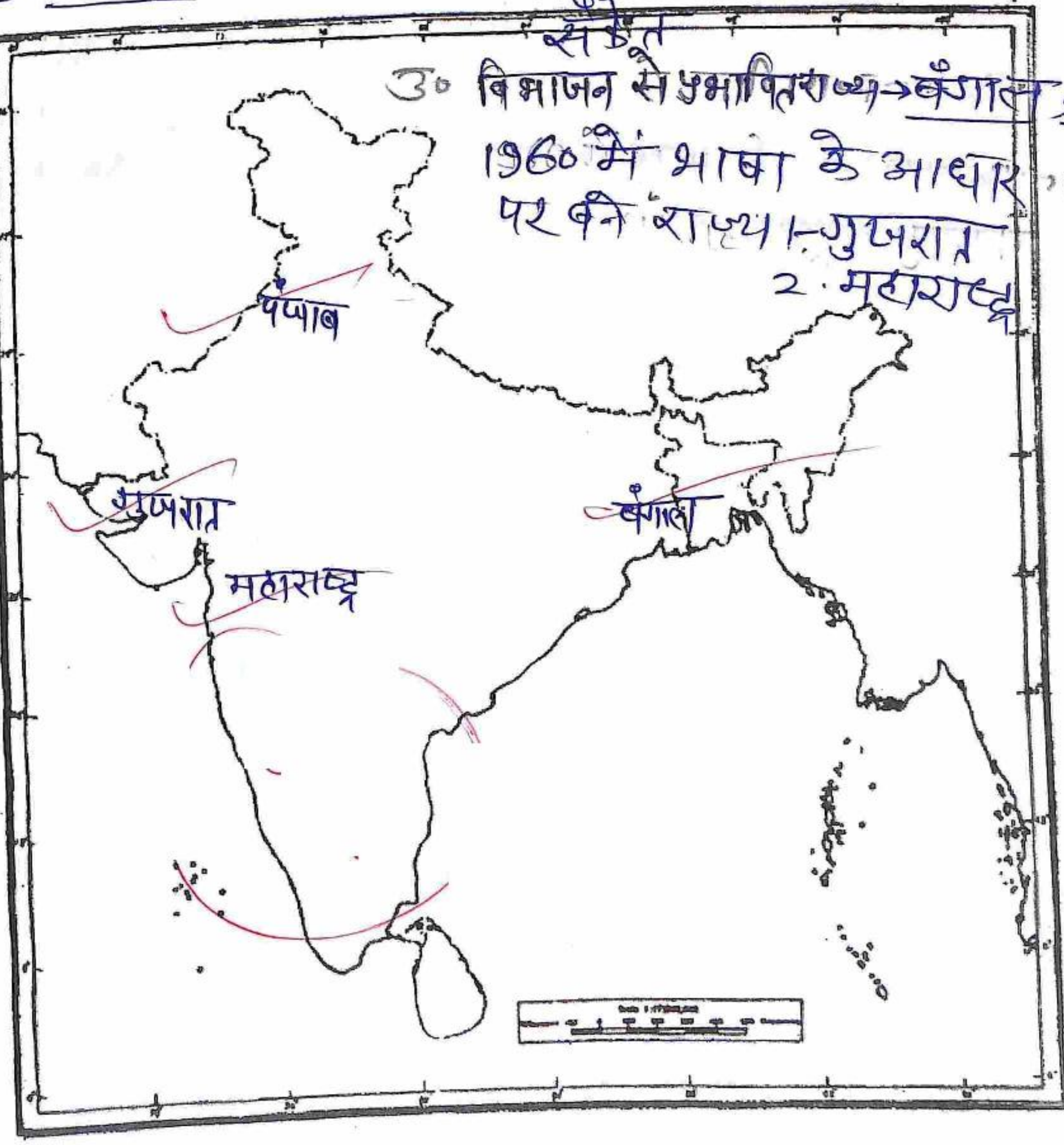

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक | प्रश्न संख्या | परीक्षार्थी उत्तर

प्र०22

उत्तर अमेरिका पाकिस्तान में लोकतंत्रीकरण के लिए अनेक कठनाइया है जो निम्नलिखित है –

(i) सैना, अभिजनो का प्रभुत्व होना →
पाकिस्तान में सैना व अभिजनो का प्रभुत्व है उस कारण वह लोकतंत्र को हटा देता है।

(ii) पाकिस्तान मे लोकतंत्र चले, उसके लिए अंतर्राष्ट्रीय समर्थन का अभाव →
अमेरिका तथा अन्य देश पाकिस्तान में शासन चले उसके लिए समर्थन नहीं करते है, उस कारण पाकिस्तान में लोकतंत्र का अभाव है।

(iii) भारत से विवाद →
पाकिस्तान का हमेशा भारत के साथ विवाद रहा है उस कारण वहाँ कि सैन्य शक्ति बहुत मजबूद है उनका मानना है कि राजनैता अपने भ्रष्टाचार के कारण पाकिस्तान की सुरक्षा को खतरे में डाल सकते हैं।

(iv) पश्चिमी राष्ट्रो द्वारा सैना समर्थन करना →
पश्चिमी राष्ट्रो को उस आतंकवाद का डर है जिसे वे विश्वव्यापी अर्थात इस्लाम आतंकवाद कहते है।

उन देशों का मानना है कि यदि पाकिस्तान कि सैन्य क्षमता में कमी आयी तो उस आतंकवाद के हाथ शस्त्र लग जाएँगे और वह विश्व में कहीं भी समस्या खड़ी कर सकते है।

इन कारणो से भार पाकिस्तान में सैन्यक्षमता मजबूत है जो लोकतंत्र में कठनाई उत्पन्न करती है।

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

प्र०23
उत्तर- अंतर्राष्ट्रीय संगठन की आवश्यकता के कारण निम्नलिखित है →

(i) शांति बनाने के लिए →
अंतर्राष्ट्रीय संगठन देशों की शांति बनाये रखने के लिए अंतर्राष्ट्रीय संगठन महत्वपूर्ण है ये अनेक प्रकार के विवादों का निपटान करते है ताकि हम शांति से जीवन जी सके।

(ii) अनेक मुद्दे ऐसे होते हैं जिन्हे किसी एक देश की सहायता से नहीं निपटाया जा सकता, उनके सभी देशों की सहायता से ही निपटाया जा सकता है जैसे बीमारिया, और बर्डफ्लू। उनके लिए यह सभी देशों को एकत्रित करता है।

(iii) शांति व प्रगति का प्रतीक →
अंतर्राष्ट्रीय संगठन शांति का प्रतीक होता है जैसे संयुक्त राज्य संघ।

(iv) नौकरशाही नियम तय करना →
इसमें नौकरशाही नियम तय किये जाते है तथा यह प्रस्तावित हो जाता है कि किसी भी कार्यो में सभी की भूमिका होगी।
इसमें शामिल देशों को नियमों का पालन करना पड़ता है।

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

प्र०24

वैश्वीकरण → वैश्वीकरण से अभिप्राय एक देश द्वारा शेष विश्व में पूंजी, आर्थिक, व्यापार, व वस्तुओं की आवा जाही बिना किसी कारण होती है उसे वैश्वीकरण कहते है।

वैश्वीकरण द्वारा भारत के द्वारा उठाए गए कदम

(i) आर्थिक नीति 1991 → भारत ने 1991ई में उदारीकरण को लागू किया। इसमे सभी प्रकार के प्रतिबंध हटा दिये गए। इससे भारत के विदेशी व्यापार में भी वृद्धि हुई।

(ii) विश्व के साथ सम्बंध जोडना → भारत ने विश्व के साथ अपने सम्बंधों को मजबूद किये ताकि वैश्वीकरण में वृद्धि हो सके।

(iii) प्रौद्योगिकी में वृद्धि करना → भारत ने वैश्वीकरण को बढाने के लिए प्रौद्योगिकी में लगातार वृद्धि कर रहा है।

(iv) व्यापार में भूमिका निभाना → भारत का विश्व व्यापार में 1% योगदान है इस प्रकार व्यापार के माध्यम से वैश्वीकरण को बढा सकते है।

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक | प्रश्न संख्या | परीक्षार्थी उत्तर

प्र० 27

उत्तर- 1. गठबंधन का युग →

गठबंधन से अभिप्राय अनेक दलों द्वारा शासन व्यवस्था को चलाने से है, मुख्य रूप 1989 से गठबंधन का युग माना जाता है। इस गठबंधन के कारण ही कांग्रेस पार्टी का प्रभुत्व समाप्त हो गया था। राष्ट्रीय मोर्चा में मुख्यत जनता पार्टी तथा अन्य क्षेत्रीय दल शामिल होते है और सरकार बनाते है। इसकी सरकार 1989 में बनी। इसी प्रकार संयुक्त गठबंधन है जिसमें कांग्रेस तथा अन्य क्षेत्रीय पार्टी शामिल 1989 के बाद लगभग 9 सरकार गठबंधन से बनी है।

(ii) मंडल आयोग →

मंडल आयोग में पिछडी जातियों को सहायता दी जाती है इस की अध्यक्षता बिन्देश्वरी प्रसाद मंडल ने की, इस कारण इसे मंडल कमीशन कहा जाता है। इसके लिए 1978 में बैठक हुई तथा 1979 में इस का गठन हुआ।

इसका उद्देश्य भारतीय समाज में पिछडे वर्ग अर्थात आर्थिक व शैक्षणिक रूप से पिछडे तथा उसको दूर करने के लिए किया।

इसकी सिफारिश →

(i) 27% केन्द्र में पिछडी जातियों को आरक्षण दिया जाए। (ii) भूमि सुधार किया जाए ताकि

परीक्षक द्वारा प्रदत्त | प्रश्न | परीक्षार्थी उत्तर

छोटे किसानों को बड़े किसानों पर निर्भर न रहना पड़े।
(iii) पिछड़ी जातियों के कार्यक्रमों के लिए सरकार को धन राशि देनी चाहिए।

प्र०28
उत्तर→ शीत युद्ध →
शीत युद्ध हथियारों, बंदूकों, व टैंकों से न लड़कर पत्र, पत्रिकाओं, विचारों के माध्यम से लड़ा जाता है, इसमें एक पक्ष द्वारा दूसरे पक्ष की संस्थाओं की आलोचना किया जाती है अर्थात ऐसी स्थिति जिसमें युद्ध न होते हुए भी युद्ध जैसी स्थिति बनी होती है, उसे शीत युद्ध कहते हैं।

शीत युद्ध के कारण →

(i) अमेरिका द्वारा परमाणु रहस्य छिपाना →
अमेरिका ने संयुक्त सोवियत संघ से अणु बम का रहस्य छिपा लिया और अचानक जापान पर 1945 में इसका प्रयोग किया, जिसके कारण दोनों देशों में विरोधी भावनाएं पैदा हो गयी और शीत युद्ध का प्रारम्भ हुआ।

(ii) शक्तिशाली बनने की होड़ →
दोनों महाशक्तियों ने आपस में शक्तिशाली बनने की होड़ प्रारम्भ कर दी —

P.T.O

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

दोनो शक्तिशाली देश इतने मजबूत थे कि कोई भी पीछे हटना नहीं चाहता था इस कारण शीत युद्ध प्रारम्भ हुआ।

(iii) विरोधी विचारधारा →
सोवियत संघ में साम्यवादी विचारधारा थी जबकि अमेरिका में पूँजीवादी का समर्थन करता था, इस कारण दोनो देशों ने अपना प्रभाव बढ़ाना शुरू किया। इस कारण शीत युद्ध प्रारम्भ हुआ।

(iv) अपरोधतर्क →
अपरोधतर्क से अभिप्राय है कि एक देश अपने दुश्मन देश की शक्तियों अर्थात् सैन्य क्षमता को नष्ट करने की कोशिश करता है लेकिन दूसरे देश के पास उतनी शक्ति बच जाए कि वह प्रथम देश को समाप्त कर सके।
इसके कारण कोई देश झगड़ा झगड़ा मोल लेना नहीं चाहता था।

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

प्र०१७

उत्तर→ हरित क्रांति का अर्थ→

हरित क्रांति के विश्व में जनक, नार्मन ई- बॉरलॉग को माना जाता है जबकि भारत में इस क्रांति का जनक स्वामीनाथन है। इसका प्रारम्भ 1960 के दशक में हुआ।

हरित क्रांति से अभिप्राय उर्वरक, उन्नत किस्म के बीज, सिंचाई तथा रासायनिक पदार्थों का उपयोग करके फसल की पैदावार को बढ़ाने से है इस क्रांति का प्रभाव प्रारम्भ में निम्न देशों पर रहा

पंजाब | हरियाणा | उ० प्रदेश

इस क्रांति से खाद्यान्न फसलों को बढ़ावा मिला और भारत ने खाद्यान्न का आयात बंद कर दिया।

इसके सकारात्मक प्रभाव→

1. खाद्यान्न फसल (गेहूँ) में वृद्धि→ इस क्रांति से गेहूँ फसल में तीव्रता से वृद्धि हुई। इस वृद्धि के कारण भारत ने अब शेष विश्व से खाद्यान्न फसलों का आयात बंद कर दिया।

(2) इससे किसानों की आय में तीव्रता से वृद्धि हुई है।

P.T.O

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

(iii) आर्थिक दर में वृद्धि → खाद्यान्न में वृद्धि होने के कारण आर्थिक दर में वृद्धि हुई और लोगों की आय में वृद्धि हुई।

(iv) सकल घरेलू उत्पाद में वृद्धि → हरित क्रांति के कारण भारत के G.D.P में वृद्धि हुई और देश का आर्थिक विकास हुआ।

नकारात्मक प्रभाव →

(i) सीमित क्षेत्रों तक विस्तार → हरित क्रांति का प्रभाव मुख्यतः पंजाब, हरियाणा, उ० प्रदेश तक ही रहा इससे आर्थिक असमानता उत्पन्न हुई।

(ii) जल प्रदूषण बढ़ना → इसमें रासायनिक उर्वरकों का प्रयोग किया गया इस कारण जल प्रदूषण में वृद्धि हुई।

(iii) उर्वरकता में कमी → हरित क्रांति से देश में उत्पादन के लिए अनेक रासायनिक पदार्थों का प्रयोग हुआ इससे भूमि की उर्वरकता में कमी

(iv) इसका बड़े किसानों को ही लाभ मिला और छोटे किसानों व बड़े किसानों में असमानता बढ़ी

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

प्र॰3०

उत्तर- भारतीय किसान यूनियन के उदय के कारण→

भारतीय किसानों ने जब बिजली की दर बढाने पर सभा कर्ता कार्यालय के सामने डेरा डाला। इसकी शुरुआत 1988 में उत्तर प्रदेश की मेरठ गाँव से हुआ।

जब बिजली की दर बढा दी गई तो किसानों ने इसका विरोध किया। जब उन्होंने हड़ताल प्रारम्भ कि तो, उस समय गाँव में पर्याप्त जल आपूर्ति होती रही।

इसकी माँग →

(i) गेहूँ व गन्ने को सरकार निम्न कीमत पर खरीदती है, इसकी कीमत बढ़ायी जाए।

(ii) किसानों के ऋण माफ किये जाए।

(iii) उनके लिए पेंशन की व्यवस्था प्रारम्भ कीजाएँ।

(iv) बिजली की कीमत उचित दर पर व्यवस्था की जाएँ।

~~समस्याओं~~ ~~ओंलेट~~

भारतीय किसान यूनियन की प्रमुख विशेषताएँ→

(i) धरना, रैल, हड़ताल का प्रयोग करना→

भारतीय किसान यूनियन ने अपनी माँग को मनवाने के लिए धरना, रैल, हड़ताल प्रारम्भ की। इसमें जेल भरो आंदोलन का भी प्रारम्भ हुआ। इसमें अनेक गाँव के किसानों ने भाग लिया।

परीक्षार्थी उत्तर

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या

(ii) जाति पंचायत संस्था की स्थापना → B.K.U के लोगों विभिन्न समुदाय के थे इसलिए इन लोगों आर्थिक मुद्दों पर एकत्रित करने के लिए जाति पंचायत संस्था की स्थापना की।

(iii) इसके लिए धन व संसाधनों की व्यवस्था इसके समूह सदस्यों के माध्यम से होती थी।

(iv) यह आंदोलन 1980 के दशक में प्रमुख रहा तथा अपने को राजनीतिक दलों से दूर रखा, इसके सदस्यों के बल पर यह अनेक मांग को मनवाने में सफल हुआ।

(v) इसमें अनेक लोग खाद्यान्न कृषि को महत्व देते थे जबकि इसके अलावा में व्यापारिक कृषि की उपज भी प्रारम्भ की।

(vi) इसका प्रभाव अनेक अन्य किसान संगठन पर पड़ा जैसे महाराष्ट्र के शेतकार व कर्नाटक के रैयत किसान संगठन पर भी पड़ा।

इसमें भी अपने सदस्यों को शामिल किया जो राजनीतिक संस्थाओं से किसी प्रकार से सम्बंध नहीं रखते।

शिक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

प्र०26

उत्तर पंजाब समझौता प्रधानमंत्री राजीव गाँधी व तथा हरचंद लोंगोवाल के मध्य हुआ (1985)।

इसके मुख्य प्रावधान →

(i) सीमाविवाद समाप्त करना → पंजाब व हरियाणा के मध्य सीमा विवाद को समाप्त करने की कोशिश की गई, इसमें कहा गया कि चंडीगढ़ को पंजाब को दे दिया जाएगा।

(ii) इसमें राजस्थान, पंजाब, हरियाणा के मध्य चल रहे विवाद को समाप्त करने के लिए संस्था न्यायाधिकरण बैठाने का निर्णय किया।

(iii) प्रभावित लोगों को मुआवजा देना → जो लोग अब तक दंगे में प्रभावित हुए थे उनके लिए मुआवजों का प्रावधान किया जाएगा।

(iv) सेना में सभी की भर्ती → जिन लोगों को सेना से निकाल दिया उनकी भर्ती के लिए रास्ता तैयार किया।

(v) पंजाब के विशेषाधिकार को समाप्त कर दिया गया।

313615